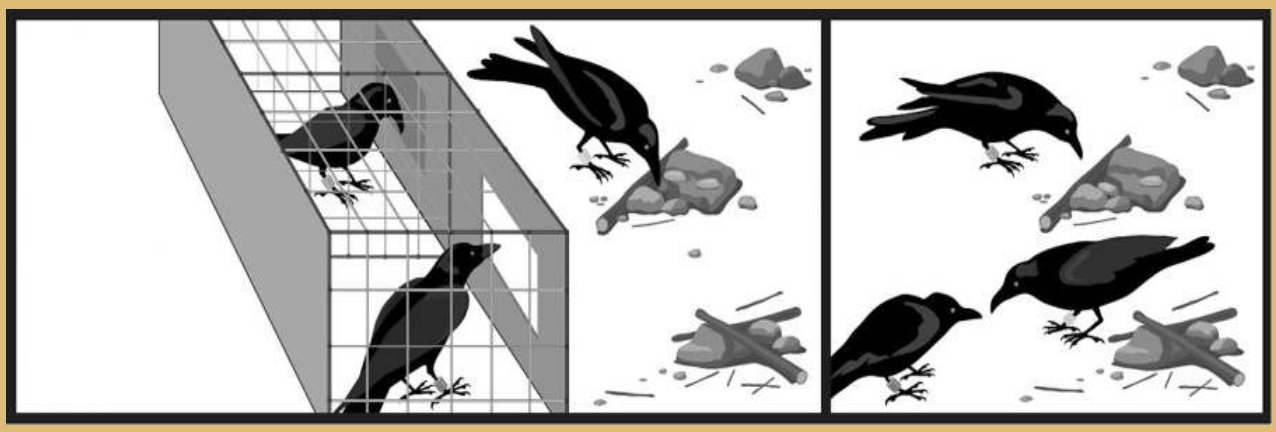

रेवन कौए दूसरों के इरादे ताड़ सकते हैं

रेवन कौआ समूह का एक पक्षी है जो काफी सामाजिक जीवन व्यतीत करता है। हाल के एक प्रयोग से पता चला है कि इसमें यह क्षमता होती है कि दूसरों के इरादों का अनुमान लगा सके। इसे 'दिमाग का सिद्धांत' कहते हैं। आम तौर पर माना जाता है कि यह क्षमता मनुष्यों और चंद प्रायमेट जंतुओं में ही पाई जाती है मगर ऑस्ट्रिया के विएना विश्वविद्यालय के थॉमस बुगन्यार और उनके साथियों ने निहायत कल्पनाशील प्रयोग करके दर्शाया है कि रेवन कौओं में यह क्षमता हो सकती है।

दरअसल, जंतुओं पर ऐसे प्रयोग करना काफी चुनौतीपूर्ण होता है क्योंकि आपको सिर्फ उनके प्रत्यक्ष व्यवहार के आधार पर निष्कर्ष निकालने होते हैं। एक ही प्रयोग में कई कारक होते हैं और यह कहना मुश्किल होता है कि प्रदर्शित व्यवहार उनमें से किस कारक की वजह से हो रहा है।

रेवन व अन्य कौओं में अपना भोजन छिपाकर रखने की प्रवृत्ति होती है ताकि वे बाद में उसका उपयोग कर सकें। ऐसा देखा गया है कि यदि रेवन को महसूस हो कि कोई उसे देख रहा है तो वह अपना भोजन जल्दी छिपाता है। कई वैज्ञानिक मानते हैं कि इससे पता चलता है कि वह जानता है कि देखने वाला शायद उसका भोजन चुरा लेगा, इसलिए वह छिपाने में जल्दबाज़ी करता है। मगर कई अन्य वैज्ञानिकों का मत है कि वह जल्दबाज़ी सिर्फ एक दृश्य संकेत की प्रतिक्रिया स्वरूप करता है।

बुगन्यार के दल ने इसे जांचने के लिए एक प्रयोग किया। उन्होंने एक कमरे में पार्टिशन डालकर दो कमरे बना दिए। पार्टिशन में एक खिड़की और एक छोटा सुराख था, जिन्हें खुला भी रखा जा सकता था और बंद भी किया जा सकता था।

सबसे पहले एक कमरे में एक रेवन को भोजन दिया गया, जबकि दूसरे कमरे में भी एक रेवन था। देखा गया कि जब खिड़की व सुराख खुला होता है तो रेवन अपने भोजन को जल्दी छिपा देता है। और तो और, एक बार छिपाने के बाद वह लौटकर उस जगह जाने से भी बचता था।

इसके बाद रेवनों को यह प्रशिक्षण दिया गया कि वे सुराख में से देख सकें कि दूसरे कमरे में कोई व्यक्ति भोजन को छिपा रहा है। यानी उन्हें यह पता चल जाए कि सुराख में से दूसरे कमरे में झांकना संभव है।

अब जब रेवन को एक कमरे में भोजन दिया गया, उस समय दूसरे कमरे में एक स्पीकर पर कुछ ध्वनियां बजाई गईं जिससे लगे कि दूसरे कमरे में एक पक्षी है। इस स्थिति में जब खिड़की और सुराख दोनों बंद थे तो रेवन ने अपना भोजन छिपाने में औसत 14 सेकंड लिए जबकि खिड़की या सुराख खुला होने पर मात्र 8 सेकंड। शोधकर्ताओं ने माना कि इस जल्दबाज़ी का कारण यह है कि उन्हें देखे जाने का डर रहता है। यानी वे दूसरे जंतु की मानसिक स्थिति को भांप सकते हैं या उसके बारे में विचार कर सकते हैं। ***(स्रोत फीचर्स)***